# MP TET Varg 2 Syllabus 2024

By becoming acquainted with the MP TET Varg 2 Syllabus for 2024, you can create a planned study strategy and successfully prepare for the exam.

1. Language 2 will be separate from Language 1. Applicants can select any language from Hindi, English, Sanskrit, or Urdu on the application form; however, they cannot solve in the language they select.
2. Language 2 elements will be built around communication and comprehension skills. Language-2 questions will focus on elements of language, communication, and comprehension skills.
3. The responses to the subjects of mathematics, science, social science, and the major language will be based on concepts, time management, and pedagogical comprehension.
4. The paper will be based on the topics covered in classes 6–8 and 9–10 of the following syllabus or textbook; however, their difficulty level and affiliation may extend to higher secondary levels.

Download the Syllabus PDF.

| **Subject** | **Topic** |
|---|---|
| Child Development & Pedagogy | Child development |
| | Concept of inclusive education and understanding of children with special needs |
| | Learning and teaching (pedagogy) |
| Hindi Language | Linguistic Comprehension |
| | Hindi Language |
| | वाकय बोध |
| | काव्य बोध |
| | अपठित बोध |
| | निबंध लेखन |
| | पत्र् लेखन |
| | हिन्दी साहित्य |
| | हिंदी गद्य और उसका विकास |
| Sanskrit | व्याकरण, संस्कृत निबंध लेखन एवं अनौपचारिक पत्र एवं प्रार्थना पत्र लेखन, वेद वेदांग पुराण अवं उपनिषद का सामान्य परिचय, संस्कृत के प्रतिनिधि काव्यों का परिचय, करक एवं विभक्तियों का सामान्य परिचय, हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में |

| | |
|---|---|
| | अनुवाद करना, संस्कृत अपठित गद्य एवं अपठित पद्या का हिंदी अनुवाद, अवं पाठ्यांश पर आधारित प्रश्न |
| | भाषायी समझ |
| | गद्य (नसर) की विधाएं |
| | पद्य ( नज्में) |
| | व्याकरण ( कवायद ) |
| | निबंध लेखन (मजमून ) |
| | पत्र / प्रार्थना पत्र ( खत व दरख्वास्त) |
| | गैर दरसी इकतिवास (अपठित) की तशरीह व उस पर आधारित प्रश्न |
| | उर्दू साहित्य का इतिहास (गद्य व पद्य का विकास) |
| | भाषायी विकास हेतु निर्धारित शिक्षाशास्त्र व पढ़ाने के तरीकों पर प्रश्न |
| | उर्दू शिक्षण की आवश्यकता व उद्देश्य |
| | अच्छे उर्दू शिक्षक की विशेषताएं |
| | भाषा शिक्षण के सिद्धांत |
| | तरीका-ए-तदरीस, नम्र व नज्म की विभिन्न विधाओं का (असनाफ़) शिक्षण |
| | ए उर्दू सीखना और समझना (सुनना, बोलना, पढ़ना लिखना चारों महार |
| | उर्दू भाषा की चारों महारतों का मूल्यांकन |
| | भाषा शिक्षण में सुनने और बोलने की अहमियत, बच्चों के ज़रिए उर्दू भाषा का प्रयोग |
| | ज़बानी और तहरीरी (लेखन) में कवायद का इस्तेमाल |
| | क्लासरूम में तालीमी इस्तेदाद वाले बच्चों को जबान सिखाने में आने वाल |
| | मुशकिलात दूर करके गलतियों को चुनौती की तरह लेकर पढ़ना सिखाना |
| | क्लास में किताब, अमदादी अशिया, मल्टीमीडिया मटेरियल समई - बसरी आलात व विभिन् स्तर व कक्षा के बच्चों को पढ़ाना खुसीसी तदरीस (विशेष पुनः शिक्षण) |
| Urdu | कव |